नवा सूर्योध्यनुं अभृत योघडियुं

अजोध भेरा पुरुषार्थ पंथ परिवर्तन

सा पंचामृत પ્રતિબિંબ પાથરત

साइर्पड साह्वाहड सदोडिड भेतिहासिङ सिभयान

र्भेन धर्मना गीरव सने गरिमा प्रगट हरता सा सविशेष प्रदर्शनमां साप सूज्ञ प्रेक्षडोनुं लावलीनुं सने लावलर्युं स्वागत छे.

पेश्विड असन्नतानो श्रेयस्डर **छपाय** ज्ञानजी४

એક वीसमी सहीनो मानव सुषुप्त क्वाणामुणीना शिणर पर लेठो छे. लोतिकवाह, लोगवाह.... वगेरें से विश्वनो लर्डो वीद्यो छे. आषे समग्र विश्व धिक्कार अने वेहनाथी पीडित छे. यारे तरङ् अशांति, असंतोष, असवामती, आग्रहो, अन्याय, आंतक्ठवाह, रोगयाणो, शिंता, लय वगेरें नुं वातावरण छवार्घ गयुं छे. गमगमी वातावरणमां वैश्विक उष्णातनो उमेरो मानवनी गूंगणामणने वधारे छे. वर्तमान विकट संकोगोमां सुण अने शांतिनी जोक्मां नीक्ठलेंवाने "ज्ञानना जीक" द्वारा ते मेणववा माटे "क्योत" प्रतिजद्ध छे, क्टिजद्ध छे.

ભારતીય ધર્મીના અમૂલ્ય અને વિશાળ જ્ઞાન તેમજ તેના સમૃદ્ધ પ્રાચીન વારસાને ફરી પાછો લાવીને લોકસુલભ કરવાનો જયોતનો આ પ્રયત્ન છે.

रे ज्ञाननुं जीय आपणा सहुमां पांगरी शक्ते तेने संङुरित हरवानी ताती ४३२ छे.

ज्ञाननुं होहन हरीने हरेडनुं अपन

સુખી, સ્વસ્થ, સુરક્ષિત, સમૃદ્ધ

जने ते भारे "क्योत" नवा सूर्योदयना स्वागत भारे आह्वान इरे छे. आप पण आ नवा सूर्योदयनां अंतरथी ओवारणो वेवा भारे आनंदना अक्षत वर्धने "क्योत"मां क्योत जनीने

"જ्योत" એટલે વેશ્વિક પ્रश्ननो वेश्विક ઉકેલ



એક દીપક અંધકાર હટાવવા સમક્ષ છે तेम आत्मदृष्टियुड्त એક ज्ञानश्योत अज्ञानना અंधકાरने मिटाववा समक्ष छे.

'જ્યોત' જ જીવન પંથ

"क्योत" केन धर्मना अशमोत अने अमृतमय ज्ञानथी सत्यशोधङ जुवन ङांति आशवा मागे छे केनाथी मानवीनो सर्वांगी अने व्यङ्तिगत विङास थाय अने सोने शांति, संवािहता अने प्रगति सुप्राप्य जने.

अवनध्येयः

समूख ज्ञान वारसानो अयार सने असार. भविष्यनी पेटीसोनुं हित. व्यक्तिने °रवाजदार नागरिङ जनाववामा सहायङ. सावा °रवाजदार नागरिङो सा (भव्य ज्ञानना साधारे पोताना धष्ट श्ववन पंथने पामशे.

संस्था :

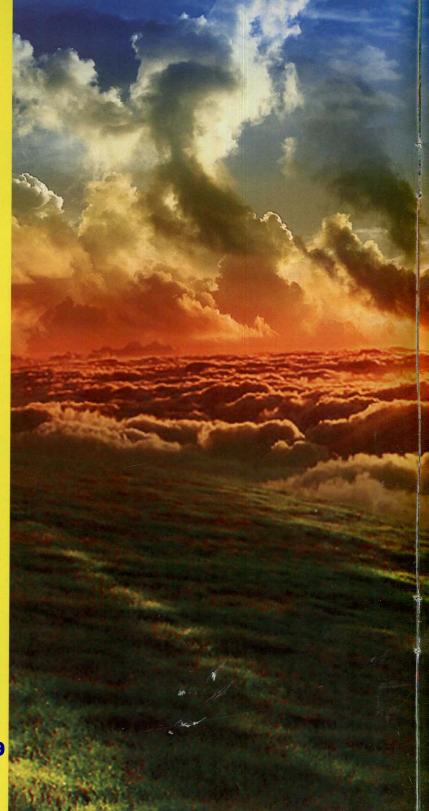
"क्थोत" युवाशिक्त संयाित, युवा पेढी माटेनी धार्मिक संस्था छे. लारतीय परंपरा अने कैन धर्मना विकासने ते वरेती छे. धार्मिक ज्ञाननी पध्धति अने आधुनिक वियारधारनो तेमां समुयित समन्वय छे. सेना सुलग आहर्शोनी केम"क्योत" साथे संक्रवायेती व्यक्तिओ पण सेक दिसािहत सने दिधमशीत युवानोना परिपूर्ण पुंक् छे. सा युवान कार्यक्रतिओने सनुलवी वरिष्ठ वडीतोनुं मार्गिक सतत मणतुं रहे छे.

વડીલો પાસે છે હોંશ , યુવાને પાસે છે જોશ .

आ होंश अने जोशनो समन्वय विश्वने वृहावन जनाववामां निमित्त जनशे.

धितहास :

रैंन धर्मना सचोट तत्त्वनो प्रयार से॰ समारो िष्ठमहा हेतु छे. लूतङाणमां तेणे "रक्षा धर्म सिम्यान" प्रहर्शन मुंजर्धमां २३ ईखुआरीथी २५ ईखुआरी २००८मां योन्यु हतुं नेमां "तीर्थरक्षा", तीर्थंङरोसे स्थापेता धर्मशासनन सत्तानी सोंपणी, तीर्थंङरोसे जतावेता धार्मिङ सिद्धारोना वहें यणीयी प्रवित्र क्रिया, नेन धर्मनी प्रायीनता सने सेतिहासिङ संहर्भथी लारतमां नेनधर्मनी व्यपङ्ता वगेरे प्रधर्शित ङरवामां साव्युं हतुं. सा सिम्याननने जहों प्रतिसाह मण्यो हतो.



"જ्योत" ना त्रश मूजभूत पायाना सिद्धांतो शिरात सत्य वेश्विङ न्याय अत्येडने अपन अपपानी हडड छे से वियार मारे साहर विशाण आ ४ग विस्तारे नथी એક ४ डंई भानवी पशुं छे, पंजी छे ने वनोनी छे वनस्पति

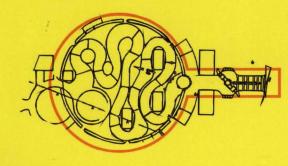
प्रहर्शनी विविध देखिशी विचारणा

પ્રદર્શનું માળખું એવી રીતે રચવામાં આવ્યું છે કે તે ચાર પાસાંઓને રજૂ કરે છે.

(૧) બોઘબીજ:

सा प्रहर्शन द्वारा सने प्रत्येङ व्यक्तिमां ज्ञाननुं जीप वाववा मागीसे छीसे पे तेने संते मुस्तिना मार्गे होरी पशे.

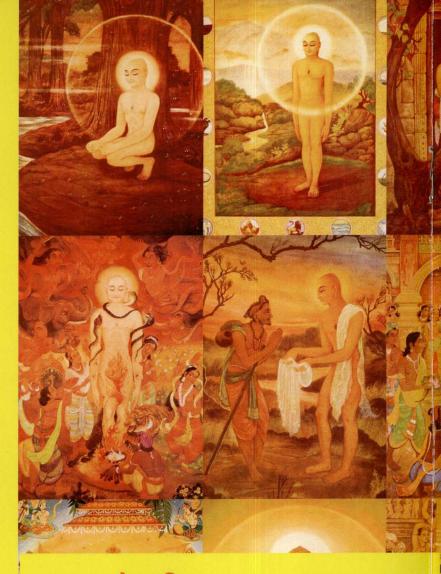




(3) 4318:

यात्रा हरभियानना साटापाटा सने वांङायूंङा रस्ता ३५ भानवभगन ज्ञानना साधनना प्रतिङ छे.

(੪) **ਪੱਖ਼ਤ :** ਨੇ **Date** 5th to 15th December 2009



साधन अने पद्धतिः

साया ज्ञाननी व्यक्तिने अङाशित ङ्खा भाटेनी समारी सा ज्ञानयात्रामां ज्ञान संपद्दा व्यक्तिना मनने स्पर्शे ते ९३री छे. तेथी ९ सा ज्ञाननी मूण वातने स्ट्रू ङ्खा माटे विद्यविद्य माध्यमोनो ઉपयोग ङ्खामा सावशे. ९ेनाथी श्रोतगण सने प्रेक्षङगण योड्डस मंत्रमुग्ध जनशे.







આ જ્ઞાનયાત્રામાં તમારે શા માટે અમારા સહભાગી બનવું જોઈએ?

"क्योत" क्यातनी पहेली घटना छे हे क्यां मुलाहातीओने ज्ञाननुं ज्ञान आपवामां आवशे. सात लाज योरस हूट हरतां पण वधारे विस्तारमां पथरायेला आ प्रहर्शनमां सेने कुवननो सेह महामुलो सनुलव मणशे. आ १० (हस) हिवसनुं महाहाय सियान छे, केमां तेनो प्रयार सने प्रसार आधुनिह साधनोथी हुनियालरमां हरवामां आवशे. लारतीयो उपरांत जिनलारतीयो पण आ प्रहर्शननी मुलाहाते आवशे. आ प्रहर्शनने क्न-क्न सुधी पहोंचाडवा माटे नूतन साधनो केवा हे जेनर्स, क्रहेरात, परिप्रयो सेस.सेम.सेस. वगरेथी हराशे.

એક ઉમદા કાર્ચમાં જોડાવાનો આ અપૂર્વ અવસર છે. व्यક्तिगत અને सामूहिङ परिवर्तनना आ विशिष्ट अभियानमां જોડાવું आनंદ પણ છે અને ગૌરવ પણ છે.

तमे अमारी साथे डेवी रीते क्षेडाशो.....?

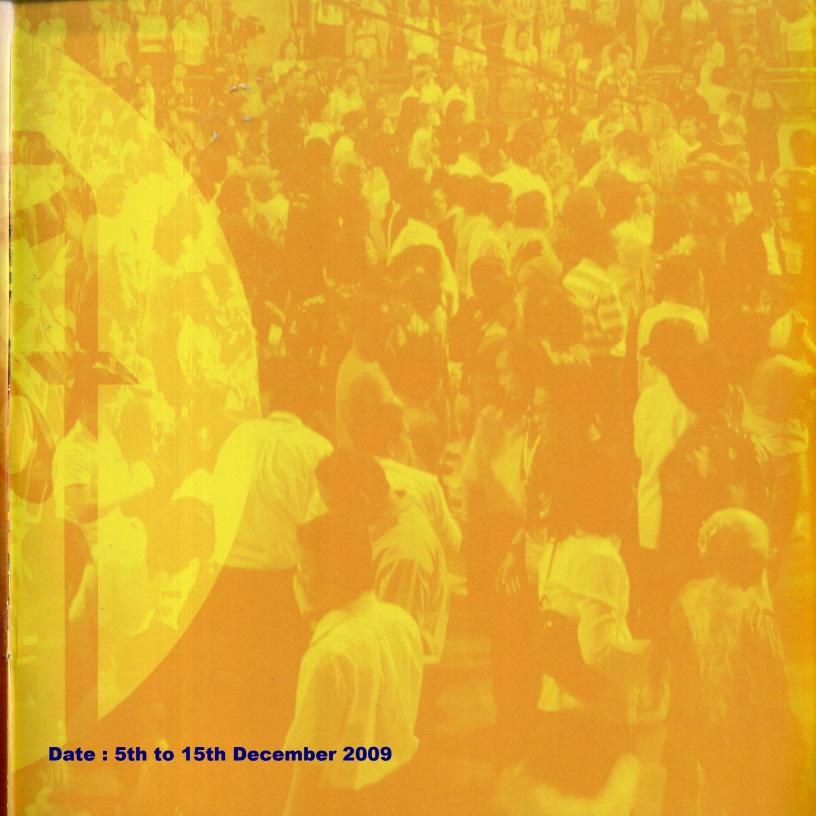
तमे ઈચ્છો तो व्यક્तिગत રીતે કે સામૂહિક રીતે આ આયોજનમાં સહભાગી બની શકો છો. આ વિરાટ આયોજનમાં તમારો સાથ અને સહકાર ગણનાપાત્ર બની રહેશે.

(भविष्यम) भार्ग :

"क्योत"नो प्रयार सने प्रसार लारतनां विविध शहेरोमां तेमक वैश्विङ स्तरे थतो रहेशे.

"क्योत"नो शुल हेतु गामडां सने शहेरोना क्न-क्नने क्षेडतो सेतु जनाववानो साथे साथे सामान्यमां सामान्य भाशसनुं छवन पण सुजी, समृद्ध,







आ विराट प्रध्शनमां पद्याख्नं छ सापने निमंत्राय.

२३ भोडटोजर-२००६ अमे डरीशुं यातङ नयने मापनी भतीक्षा. अमे प्रेमसने श्रद्धाथी डरीशुं मापनुं स्वागत.

आ अपनिने आसोडित इरनारा नपा सूर्योहथनुं "क्योत" स्वागत डरे छे.